STARTUP
INCUBATION AND
INNOVATION
CENTRE
IIT KANPUR

दिसंबर 2024

टेक की बात

आसियान भारत स्टार्टअप महोत्सव'24:
वैश्विक संपर्क, वैश्विक अवसर

अंक 3

संस्करण - 12

गुरु मंत्र

श्री रॉनी बनर्जी

सलाहकार, अर्न्स्ट एंड यंग

रॉनी बनर्जी विकासात्मक पहलों के क्षेत्र में *27* वर्षों के सुदीर्ध और गहन अनुभव से विभूषित एक प्रखर विशेषज्ञ है। वे नीतिगत हस्तक्षेप, संभाव्यता विश्लेषण *(feasibility assessments)* तथा समावेशी विपणन रणनीतियों में अप्रतिम निपुणता के धनी हैं। साथ ही, वे एक उत्कृष्ट कथाकार हैं और *"*क्या स्टार्टअप्स के लिए कोई रॉकेट ईंधन है*?"* नामक कृति के रचियता है, जिसे भारत में ब्रिटेन एशियन व्यापार परिषद् द्वारा प्रस्तुत किया गया हैं।

भारत में उभरती हुई व्यक्तिगत देखभाल उद्योग- एक आग्रह

भारत में सौंदर्य प्रसाधन उद्योग में पिछले एक दशक में गहरे गहन और अभूतपूर्व परिवर्तन देखे है, जो बढ़ती हुई क्रय शक्ति, परिवर्तित उपभोक्ता प्राथमिकताएँ, जागरूकता में वृद्धि और सजग उपभोग प्रवृत्तियों से प्रेरित है। यह क्षेत्र अब केवल सौंदर्य देखभाल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि व्यक्तिगत कल्याण के व्यापक क्षेत्र में विस्तार कर चुका है, जिसमें त्वचा देखभाल, बाल देखभाल, अरोमाथेरेपी तथा व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण आयामों का समावेश हुआ है।

भारत की युवा जनसंख्या टियर I और टियर 2 शहरों में मांग को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे प्रीमियम सौंदर्य प्रसाधनों की खपत उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, जिसमें वे उत्पाद भी सम्मिलित है जिन्हें पूर्व में केवल विलासिता का प्रतीक माना जाता था। इसी बीच, व्यक्तिगत देखभाल के प्रति जागरूक मध्यम आयु वर्ग की जनसंख्या उपभोक्ता आधार को स्थायित्व प्रदान कर रही है। उपभोक्ता प्राथमिकताएँ ब्रांडों और उत्पाद संरचनाओं के सन्दर्भ में निरंतर परिवर्तनशील हैं, जिसके फलस्वरूप स्वदेशी ब्रांड स्थानीय अभिरुचियों को वैश्विक आभा के साथ संतुष्ट करने हेतु सतत प्रयासरत हैं। प्राकृतिक, जैविक और स्वच्छ सौंदर्य उत्पादों की ओर बढ़ता हुआ झुकाव इस परिवर्तनशील प्रवृत्ति का परिचायक है, जहाँ उपभोक्ता रसायन-मुक्त, क्रूरता-मुक्त (पशु- परिक्षण रहित) और पर्यावरण-सम्मत समाधानों को प्राथमिकता प्रदान कर रहे हैं। आयुर्वेद-आधारित तथा प्राकृतिक सौंदर्य उत्पाद इस स्वास्थ्य- केंद्रित प्रवृत्ति के प्रमुख अंग के रूप में उभरकर सामने आए है। ई-कॉमर्स ने उत्पादों की उपलब्धता और पहुँच में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है, जिससे उपभोगताओं के लिए विकल्पों की परिधि असीमित हो गई है।

स्थायित्व आज एक महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु बन गया है, जहाँ पर्यावरण जागरूक उत्पादों की मांग निरंतर बढ़ रही है, जिनमें स्थायी पैकेजिंग और नैतिक स्रोतों से प्राप्त सामग्री को प्राथमिकता दी जा रही हैं। उभरते हुए स्वदेशी ब्रांड बहु -चैनल रणनीतियाँ अपनाकर पारंपरिक खुदरा व्यापार को ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के साथ समन्वित कर रहे है ,ताकि शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में विविध उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। यह उद्योग एक गहन रूपांतरण के चरण से गुजर रहा है जो नवाचार परिवर्तित उपभोक्ता मांगों और स्थायित्व पर बढ़ते ध्यान द्वारा स्वरुप ग्रहण कर रहा है।

भारत में उभरती हुई व्यक्तिगत देखभाल उद्योग :

- स्थायित्व और नैतिक रूप से प्राप्त सामग्री पर केंद्रित रहें, ताकि जागरूक उपभोक्तावाद के साथ सामंजस्य स्थापित किया जा सके।
- आयुर्वेद से प्रेरित स्वच्छ सौंदर्य उत्पाद और स्वास्थ्य-केंद्रित समाधान विकसित करें।
- पारंपरिक खुदरा व्यापार और ई-कॉमर्स मंचों का समन्वय करें, ताकि विविध बाजारों में पहुंच का विस्तार किया का सकें।
- ब्रांड पारदर्शिता पर बल दें, जिससे विश्वास उत्पन्न हों और साम्रगी स्रोत, उत्पादन प्रक्रियाओं एवं स्थायित्व प्रयासों के सम्बन्ध में स्पष्ट जानकारी प्रदान की जा सकें।

विषय - सूची

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03

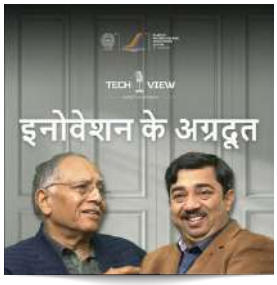

नया पॉडकास्ट: इनोवेशन के अग्रदूत

उन दूरदर्शी मस्तिष्कों का अन्वेषण करें जिन्होंने बड़े सपने देखने का साहस किया और भारत के जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 04

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में निर्धारित आगामी अनुदानों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का अन्वेषण करें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05

कार्यक्रम

की झलकियां

19 नवंबर को आयोजित एआई उत्पाद निर्माण कार्यशाला, जिसे आईआईटी कानपुर के एआईआईडीई केंद्र और स्टार्टइन यूपी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, ने स्टार्टअप्स, छात्रों और नवप्रवर्तकों को आईआईटी कानपुर के आउटरीच केंद्र में एकत्रित किया। प्रोफेसर आशुतोष खन्ना ने डिजिटल नवाचार और नैतिक प्रौद्योगिकी पर चर्चा की, जबकि डॉ. सर्वेश सोनकर ने व्यावहारिक एआई एकीकरण और उत्पाद विकास पर अपने विचार साझा किए। प्रतिभागियों को एआई अवधारणाओं को बाजार- तैयार उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए अमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

और पढ़ें

19 नवंबर को, आईआईटी कानपुर-ला ट्रोब यूनिवर्सिटी रिसर्च अकादमी संगोष्ठी में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी पर केंद्रित एक विशेष आयोजन हुआ, जिसमें स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर का अवलोकन भी शामिल था। इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने लेनेक टेक्नोलॉजीज और मेदांत्रिक® मेडटेक जैसे एसआईआईसी-इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स की नवीनताओं का निरिक्षण किया। प्रोफेसर अंकुश शर्मा ने इस प्रगतिशील स्टार्टअप परिवेश पर प्रकाश डालते हुए वैश्विक सहयोग के महत्व को उजागर किया। उन्होंने विशेष रूप से ऑस्ट्रेलियाई वेंचर कैपिटलिस्टस के साथ संबंधों को सशक्त बनाने पर बल दिया, ताकि स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अद्वितीय प्रगति को संभव बनाया जा सके।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने 25 नवंबर को "भारत में चिकित्सा उपकरणों और निदान के लिए नियामक आवश्यकताएँ" विषय पर एक बेविनार का आयोजन किया। यह सत्र डॉ मुथु धनदपानी, वाइज प्रेसीडेंट क़्वालिटी एंड रेगुलेटरी कम्प्लायंस, ट्रिकॉग हेल्थ, के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मेडटेक विनियमों, आईएसओ प्रमाणन और नियामक चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। यह बेविनार का ने भारत के नियामक परिदृश्य को समझने में बायोमेडिकल शोधकर्ताओं, स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञों और मेडटेक उद्यमियों के लिए अत्यंत उपयोगी और मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

और पढ़ें

आसियान-भारत स्टार्टअप महोत्सव 2024 का आयोजन 28 से 30 नवंबर के मध्य नई दिल्ली में हुआ, जिससे भारत और आसियान देशों के लगभग 100 स्टार्टअप्स ने भाग लिया।यह प्रतिष्ठित आयोजन एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर द्वारा डीएसटी (DST) और डीपीआईआईटी (DPIIT) के सहयोग से संपन्न हुआ। इस महोत्सव ने 1,000 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया, जिसमें उद्योग जगत के अग्रणी और नीति-निर्माता शामिल थे। इसके मुख्य आकर्षणों में उल्लेखनीय वक्ताओं की उपस्थिति में भव्य उद्घाटन समारोह, पिच बैटल्स, उत्पाद प्रदर्शनी वीवीडीएन (VVDN) टेक्नोलॉजीज के औद्योगिक केंद्र का अवलोकन सम्मिलित रहा। इस महोत्सव ने प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से क्षेत्रीय आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के प्रति भारत और आसियान देशों की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में डीएसटी-निधि मेडटेक सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ने "चिकित्सा और अभियांत्रिकी के मध्य समन्वय" (Synergy Between Medicine & Engineering)विषय पर आधारित एक टॉक शो का आयोजन 13 दिसंबर को स्टार्टइन यूपी पहल के अंतर्गत किया। यह आयोजन मेहता फैमिली सेंटर फॉर इंजीनियरिंग इन मेडिसिन में संपन्न हुआ, जिसमें प्रारंभिक चरण के मेडटेक स्टार्टअप्स, नवाचारी, छात्र, और संकाय सदस्य शामिल हुए। डॉ. नरेंद्र नाथ खन्ना ने मेडटेक नवाचार, स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) और चिकित्सा उपकरणों पर प्रेरणादायक व्यख्यान दिया, जिसमें सहयोगात्मक डिज़ाइन और स्टार्टअप्स द्वारा अनुभव की जाने वाली चुनौतियों पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर डॉ. विनय कृष्णा और डॉ. नीना गुप्ता जैसी विशिष्ट हस्तियां भी उपस्थित रही।

और पढ़ें

टेराक्या यूएवी सॉल्यूशंस

ने कानपुर क्षेत्र में बाढ़ आपदा प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करने हेतु एक पहल प्रारम्भ की है, जिसे एनटीटी डेटा के सीएसआर कार्यक्रम का समर्थन प्राप्त है। यह परियोजना गंगा नदी के आसपास के बाढ़ संभावित क्षेत्रों को लक्षित करती है, जहाँ ड्रोन और उपग्रह सुदूर संवेदन तकनीकों का उपयोग करते हुए वास्तविक समय में निगरानी और पूर्वानुमान मॉडल प्रदान किए जा रहे हैं। इस नवाचार का उद्देश्य बाढ़ पूर्वानुमान, बचाव अभियानों और स्थानीय प्रशासन के लिए निर्णय-निर्धारण प्रक्रियाओं को प्रभावी बनाना है। यह प्रयास संवेदनशील समुदायों में सुरक्षा और लचीलापन को बढ़ाव देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

और पढ़ें

ग्रिड-इंडिया पावर सिस्टम अवार्ड (जीआईपीएसए)

2024-25 के विजेताओं की घोषणा कर दी गई है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत के तकनीकी संस्थानों के डॉक्टोरल और मास्टर डिग्री के विद्यार्थियों द्वारा पावर सिस्टम क्षेत्र में किए गए असाधारण शोध कार्य को मान्यता प्रदान करता है। यह पुरस्कार ग्रिड-इंडिया द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित है और इसका क्रियान्वयन एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर द्वारा किया जाता है। इस वर्ष, इस राष्ट्रीय पहल के तहत 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से विजेताओं का चयन उनके उत्कृष्ट योगदान के आधार पर किया गया। एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर इस महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय पहल का नोडल संस्थान है, जो विद्युत तंत्र (पावर सिस्टम) क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने हेतु सतत प्रयासरत है।

और पढ़ें

एलसीबी फर्टिलाइजर्स

ने अपनी उन्नत प्रौद्योगिकी को प्रतिष्ठित अमर उजाला कृषिकों एक्सपो 2024 में प्रदर्शित किया। इस भव्य आयोजन की शोभा उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने बढ़ाई, जिन्होंने स्वयं एलसीबी फर्टिलाइजर्स के स्टॉल का अवलोकन किया। यह सम्मान एलसीबी टीम के समर्पण और कठोर परिश्रम का प्रभाव है, जो उनकी असाधारण उपलब्धियों और योगदान को उजागर करता है।

और पढ़ें

हैकलैब सॉल्यूशंस

ने बेंगलुरु स्थित बीआईईसी(BIEC) में आयोजित टीआईई ग्लोबल समिट 2024 में भाग लिया, जिसका सह-आयोजन मेइटी स्टार्टअप हब (Meity Startup Hub) द्वारा किया गया। इस अवसर पर कंपनी ने अपनी कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) और इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी) आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया, जो कार्यस्थलों की सुरक्षा लाने और संचालन को कुशल बनाने के लिए विकसित की गई है। यह प्रौद्योगिकी वास्तविक समय पर निगरानी और क्रियात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जिससे सुरक्षा संबंधी चुनौतियाँ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ में परिवर्तित हो सकती हैं और कार्यस्थलों को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जा सकता हैं।

और पढ़ें

ड्रीम एयरोस्पेस

को बैंगलोर में आयोजित टाई ग्लोबल समिट 2024 में प्रथम विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, साथ ही 1 लाख की नकद पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई है। यह सम्मान कंपनी की हरित प्रणोदन तकनिकों और विमानन क्षेत्र में नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

और पढ़ें

रॉयल बंगाल ग्रीनटेक

ने बायो-प्लास्टिक इमल्शन पेंट के संयुक्त विकास का पता लगाने के लिए बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड के साथ एक गैर-प्रकटीकरण समझौते को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है। इस सहयोग के हिस्से के रूप में, पेट्रोलियम और पशु वसा से मुक्त, 100% पर्यावरण के अनुकूल स्नेहक की #GREEZY श्रृंखला बर्जर पेंट्स को आपूर्ति की गई है, जो पेंट और कोटिंग उद्योग में परिवर्तनकारी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करतीहै।

और पढ़ें

अरुण सेठ

टेकव्यू के इस विशेष अंक में, हमें आईआईटी कानपुर (बीटेक) और आईआईएम कोलकाता (एमबीए) के विशिष्ट पूर्व छात्र अरुण सेठ का आतिथ्य प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ब्रिटिश टेलीकॉम इंडिया के संस्थापक प्रबंध निदेशक के रूप में, श्री सेठ ने अपने अनुपम नेतृत्व और दूरदृष्टि से महिंद्रा बीटी को टेक महिंद्रा में परिवर्तित कर उद्योग जगत में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। वे स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और क्रांतिकारी नवाचारों के क्षेत्र में अनेक नवोदित उधमों के प्रेरणादायी मार्गदर्शक है। साथ ही, वे जुबिलेंट फार्मोवा, नारायण हृदयालय, और आईआईटी कानपुर में एफएमआरटी जैसे ख्यातिनाम संस्थानों के निदेशक मंडल में अपनी आसाधारण भूमिका निभा रहे हैं। श्री सेठ को आईआईटी कानपुर के विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार (2020) से विभूषित किया गया है। इस विलक्षण संवाद में उनके व्यक्तित्व और योगदान की प्रेरक झलकियां आपके समक्ष प्रस्तुत है। पढ़ें और इस बौद्धिक विमर्श का रसास्वादन करें।

प्रो. अमिताभ बंद्योपाध्याय (एबी): शैक्षणिक संस्थान आधारित प्रौद्योगिकी व्यावसायिक इन्क्यूबेटरों की क्या भूमिका होनी चाहिए?

अरुण सेठ (एएस): शैक्षणिक इनक्यूबेटर, अकादमिक और औद्योगिक जगत के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं, जो नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में अद्वितीय सहयोग की भूमि तैयार करते है। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रोफेसर गहरे और सूक्ष्म शोध में निपुण होते है, जबकि उद्योगों के पास बाजार की आवश्यकता और व्यावहारिक समझ का अपूर्व भंडार होता हैं। ऐसे में एसआईआईसी (SIIC) जैसे इनक्यूबेटर इस उत्तम सामंजस्य का निर्माण करते हैं, जो न केवल विचारों को साकार रूप देते है, बल्कि नोक्का रोबोटिक्स (Nocca Robotics) जैसे अभिनव स्टार्टअप्स को सशक्त और समर्थ बनाता हैं। यहाँ तक कि प्रोफेसर भी अपने ज्ञान और अनुभव को उद्यमिता के क्षेत्र में रूपांतरित कर सकते हैं, जैसा कि राजीव मोटवानी ने गूगल के संस्थापकों को मार्गदर्शन देकर सिद्ध किया। सरकारी और निजी निधियों से सुसज्जित इनक्यूबेटर अत्याधुनिक संरचनाएं, संसाधन और एक ऐसा वातावरण प्रदान करते हैं जो नवाचारी प्रौद्योगिकियों के जोखिम को न्यूनतन कर, उन्हें व्यावसायिक सफलता की ओर अग्रसरित करता है। शोध के वाणिज्यीकरण के माध्यम से, ये शैक्षणिक इनक्यूबेटर न केवल आर्थिक प्रगति की नींव रखते हैं, बल्कि समाज और उद्योग के लिए अत्यधिक मूल्यवान योगदान प्रदान करते हैं। इस प्रकार, शैक्षणिक संस्थानों के इनक्यूबेटर न केवल अकादमिक दुनिया को वास्तविकता में बदलते हैं, बल्कि यह सुनिश्चित करते हैं कि यह नवाचार ओर विकास की प्रक्रिया एक स्थायी और सशक्त रूप में समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बने ।

एबी: क्या आप सरल शब्दों में यह स्पष्ट कर सकते हैं कि गहरे- तकनीकी (डीपटेक) स्टार्टअप्स दूसरों से कैसे भिन्न होते हैं और व्यवसायों को पेटेंटड प्रौद्योगिकियों पर क्यों ध्यान केंद्रित करना चाहिए?

एएस: डीप-टेक स्टार्टअप्स बौद्धिक संपदा और पेटेंट योग्य नवाचार के सृजन पर केंद्रित हैं, जो प्रायः गहन शोध के परिणामस्वरुप उत्पन्न होते हैं। यह उन्हें गैर-डीप-टेक स्टार्टअप्स से पृथक करता है, जो सामान्यतः मौजूद विचारों या व्यापार मॉडल्स को दोहराते हैं, जैसे खाद्य वितरण सेवाएं। पेटेंटस डीप-टेक में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि ये नवाचारी विचारों की रक्षा करते हैं, प्रतिस्पर्धियों द्वारा उनकी नक़ल को रोकते हैं और स्टार्टअप्स को एक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने बाजार में स्थायित्व प्राप्त कर सकते हैं, और अपने आविष्कारों से लाभ अर्जित कर सकते हैं। हालांकि, डीप-टेक स्टार्टअप्स को दीर्घकालिक प्रतिबद्धता, 8-10 वर्षों का धैर्य और महत्वपूर्ण संसाधनों की आवश्कयता होती हैं। विशेषरूप से, सफलता पेटेंटस को सुरक्षित करने हासिल करने के बाद भी प्रभावी निष्पादन पर निर्भर करती है।

एबी: आपके अनुसार भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की कुछ प्रमुख शक्तियां क्या हैं?

एएस: आपने मुझसे अत्यंत जटिल प्रश्न पूछा है। मेरी दृष्टि में, भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र की सबसे बड़ी शक्ति हमारी नवाचार की क्षमता है। हालाँकि विस्तार की दिशा में कुछ चुनौतियाँ अवश्य है परन्तु, कुछ दशकों में इस पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन आए हैं। अब विभिन्न चरणों में मजबूत वित्तीय तंत्र मौजूद है, जिसमें एंजल निवेशकों का भी योगदान है। अतीत में जहां विचारों के लिए धन की कमी थी, वहीं अब लोग नये विचारों में निवेश करने को तत्पर हैं। वित्तीय सहायता के अतिरिक्त, मार्गदर्शन सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। आईआईटी कानपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के पूर्व छात्रों का नेटवर्क एक अतुलनीय निधि हैं, जो न केवल धन का प्रवाह करता है बल्कि अपने अनुभव और गहरी समझ से स्टार्टअप्स को सही दिशा भी प्रदान करता है। केवल वित्तीय साधन पर्याप्त नहीं होते है; सशक्त मार्गदर्शन ही सफलता और विफलता के मध्य विभाजन रेखा खींचने वाला वास्तविक तत्व होता है।

एबी: स्टार्टअप्स के लिए दिशा परिवर्तन (पिवोटिंग) क्यों महत्वपूर्ण है?

एएस: स्टार्टअप के लिए दिशा परिवर्तन (मार्ग परिवर्तन) अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह उन्हें बाज़ार की प्रवृतियों और वास्तविकताओं के अनुरूप ढलने का अवसर प्रदान करता है, साथ ही अपने व्यापारिक ढांचे को नवप्रवर्तित करने की क्षमता देता है। अनेक प्रतिष्ठित स्टार्टअप्स, जैसे इनमोबी (InMobi) ने स्थिर और दीर्घकालिक मॉडल प्राप्त करने से पूर्व कई बार दिशा परिवर्तन किया। प्रारंभिक अवधारणाएं प्रायः अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में असफल होता है, लेकिन साहस, दृढ़ता और दिशा परिवर्तन की तत्परता से सफलता का मार्ग खुलता है। इनमोबी की प्रारंभिक विफलता ने उन्हें मोबाइल विज्ञापन के क्षेत्र में दिशा परिवर्तन करने की प्रेरणा दी, जो अंततः उसे अपार सफलता की ओर ले गया। स्टार्टअप्स को यह आत्मसात करना चाहिए कि वे समय-समय पर अपनी दिशा में परिवर्तन करें ताकि वे विकासशील और प्रतिस्पर्धात्मक बनें, और ठहराव से बच सकें। प्रारंभिक चरणों में, एक ऐसी समस्या का चयन करना जो समाधान के योग्य हो और समय के साथ स्वयं को ढ़ालने की क्षमता, दीर्घकालिक सफलता की कुंजी है।

अंक - 03 | संस्करण -12| दिसंबर 2024

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

ABHIVYAKTI 2025

LEARN MORE

AIIDE-CoE

LEARN MORE

ESDP & MDP Certificate Training Programs

LEARN MORE

संवर्धक

कॉर्पोरेट सामाजिक

HDFC BANK
ICICI Securities
Godrej
infoedge
CUGL Central U.P. Gas Limited
MCX METAL & ENERGY Trade with Trust
citi
CAPRI GLOBAL CAPITAL LIMITED
आरईसी REC
ETS-LINDGREN An ESCO Technologies Company
standard chartered
FORUM
NTT DATA
Ansys
DANA
GREEN GAS LIMITED
NATIONAL INFORMATICS CENTRE NICSI SERVICES INCORPORATED
SKODA | VOLKSWAGEN
Boehringer Ingelheim
SAFEXPRESS Distribution Redefined
PREMJI INVEST

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

DSIR
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY
Ministry of Electronics and Information Technology Government of India
Department of Science and Technology Ministry of Science and Technology Government of India
Ministry of Housing and Urban Affairs Government of India
बायरैक birac Biotechnology Industry Research Assistance Council
NIDHI by DST Entrepreneur-in-Residence Powered by Venture Center
START INUP A Government of UP Initiative
icmr INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
iDEX Innovations for Defence Excellence
SIDAC
sidbi
MeitY Startup Hub
SBI

ज्ञान

futureskills prime A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative
DWIH New Delhi Land of Ideas

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्धन

PELTARION

उद्योग

FICCI
AiMED Encouraging Responsible Manufacturing Association of Indian Medical Device Industry

अंतर्राष्ट्रीय

iit STARTUPS
Singapore Indian Chamber of Commerce & Industry
MEET VENTURES
TORONTO BUSINESS DEVELOPMENT CENTRE

सेवा

aws
exotel
freshworks

क्लीनिकल

AIG HOSPITALS
Ruby Hall Clinic
NH Narayana Health Health for all. All for health.

IIT KANPUR | INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR | STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

अंक - 03 | संस्करण -12| दिसंबर 2024

दिसंबर 2024

टेक की बात

IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर
कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर, ब्लॉक सी, सेक्टर 62, नोएडा